ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

शहीद गुण्डाधूर कृषि महाविद्यालय एवं अनुसंधान केन्द्र

SHAHEED GUNDADHOOR COLLEGE OF AGRICULTURE & RESEARCH STATION

(इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय)

(INDIRA GANDHI KRISHI VISHWAVIDYALAYA)

कुम्हरावण्ड, जगदलपुर(बस्तर) छ.ग. **494001**

KUMHRAWAND, JAGDALPUR (BASTAR) C.G. 494001

Ph. (O) - 07782 - 229360 **(R)** 229343 **Email** - zars_igau@rediffmail.com

बुलेटिन क्रमांक –67 **दिनांक, 20/08/2024**

बस्तर पठार कृषि जलवायु क्षेत्र के लिए कृषि सलाह सेवा बुलेटिन (17 अगस्त से 20 अगस्त 2024)

पिछले सप्ताह की विशिष्ठ मौसम स्थितियाँ

वर्षा मि.मि.	**53.6**
अधिकतम तापमान डिग्री. से.	29.5 – 32.7
न्युनतम तापमान डिग्री. से.	21.7 – 23.0
सापेक्ष आर्द्रता प्रतिशत **सुबह :–** **दोपहर :–**	91 – 94 65 – 82
वायु गति कि.मी./घंटा	1.5 – 3.4

पिछले सप्ताह कृषि मौसम वेधशाला, कुम्हरावण्ड में **53.6** मिमि. वर्षा दर्ज की गई। अधिकतम तापमान **29.5** से **32.7** डिग्री सेंग्रे. के बीच रहा। न्यूनतम तापमान **21.7** से **23.0** डिग्री सेग्रे. के मध्य रहा। आर्द्रता सुबह **91-94** एवं दोपहर **65-82** प्रतिशत के मध्य दर्ज की गई। वायुगति **1.5 से 3.4** किमी/घंटा के मध्य।

21 अगस्त से 25 अगस्त 2024 तक मौसम पुर्वानुमान, जिला–नारायनपुर

मौसम कारक	पुर्वानुमान				
	दिवस–1 21_अगस्त	दिवस–2 22_अगस्त	दिवस–3 23_अगस्त	दिवस–4 24_अगस्त	दिवस–5 25_अगस्त
वर्षा मिमि	**15**	**15**	**15**	**25**	**65**
अधिकतम तापमान (डिग्री से.ग्रें)	32	32	31	30	28
न्यूनतम तापमान (डिग्री से.ग्रें)	24	24	24	23	22
कुल बादल की मात्रा (प्रतिशत)	100	100	100	100	100
सापेक्ष आर्द्रता (सुबह/दोपहर)	95/75	95/75	95/75	95/75	95/80
वायुगति कि. मी./घण्टा एवं दिशा	6/SW	7/SW	7/SW	11/SW	14/SW

सौजन्यः भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (मौसम केन्द्र, रायपुर), द्वारा जारी मौसम पूर्वानुमान के अनुसार आने वाले 5 दिनो में छत्तीसगढ़ के **नारायनपुर** जिला में कहीं–कहीं आंधी/गरज–चमक के साथ हल्की से भारी वर्षा होने की एवं पूरी तरह से बादल छाए रहने एवं सुबह एवं दोपहर **95–75** प्रतिशत हवा में नमी होने की संभावना है। अधिकतम तापमान **28.0–32.0**^{0}C रहने की संभावना है एवं न्यूनतम **22.0–24.0**^{0}C के बीच दर्ज किए जाने की संभावना है। आने वाले दिनो में **दक्षिण–पश्चिम** दिशा से चलने वाली वायु तथा इसकी गति **6–14** किलोमीटर/घंटा रहने कि संभावना है।

मौसम आधारित कृषि सलाह

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के द्वारा जारी मोबाइल एप

- **मेघदूत–किसान भाइयों से अनुरोध है कि वे मेघदूत एप पर रजिस्टर करें एवं मौसम एवं खेती संबंधी जानकारी प्राप्त करें।**

  लिंक–(https://play.google.com/store/apps/details?id=com.aas.meghdoot)
- **दामिनि–वज्रपात का पूर्वानुमान आकाशीय बिजली से बचाव हेतु दामिनि एप का उपयोग करें। बिजली, वज्रपात की सटीक जानकारी 40 किमी. के क्षेत्र का पूर्वानुमान 30 मिनट पूर्व ही दामिनि एप पर दे देगा।**
  - **सावधनियॉ**
    - **खुले खेतों, पेड़ों के नीचे, पहाड़ी इलाकों, चट्टानों का सहारा न लें।**
    - **बारिश या जमीन पर पानी से बचें।**
    - **हाइटेंशन तारों और टावर से दूर रहें।**
    - **अगर स्थायी घर पर जाना संभव न हो तो खुली जगह पर ही घुटनों के बल कान बंद कर बैठ जाएं।**

  लिंक–(https://play.google.com/store/apps/details?id=com.lightening.live.damini)

खरीफ फसल एंव लघु धान्य फसलें	❖ किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि खेत में हरी काई का प्रकोप दिख रहा हो तो पानी को निकाल देवें। खेत में जिस जगह से पानी अंदर जाता है वहां कॉपरसल्फेट को पोटली में बांध कर रखें। ❖ किसान भाइयो को परामर्श है कि धान के खेत में लगातार पानी भर कर न रखें। ❖ किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि धान रोपाई में देर हो जाने पर यदि धान की रोपाई इस माह करनी पड़ रही हो तो पौधे की दूरी कम रखें एवं एक ही स्थान पर 3 से 4 पौधों का रोपाई करें। ❖ खेतों में कीट–नाशक पक्षियों की सक्रियता बढ़ाने के लिए अलग–अलग स्थानों पर 20–25 नग प्रति एकड़ की दर से टी या वाई आकार के लकड़ी लगाएं। ❖ धान के प्री एमेर्जेंस शाकनाशी पायराजो सल्फ्यूरॉन का प्रयोग करे। **लेकिन किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ किसान भाइयो को सलाह है कि शीघ्र एवं मध्यम अवधि की धान किस्मों की कतार बोनी करें जिसमें बियासी की आवश्यकता नहीं होती एवं धान 10–15 दिन पहले पक जाती है। ❖ धान की रोपाई या बुवाई के 20–25 दिन बाद बीसपायराबेक सोडियम या ट्रायफामोन 20% + एथोक्सीसल्फ्यूरॉन 10% WG का उपयोग करे। **लेकिन किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ किसान भाइयो को सलाह है कि धान में झुलसा रोग के प्रारम्भिक लक्षण दिखते ही ट्राईफ्लॉक्सी स्ट्रोबिन 25 प्रतिशत + टेबूकोनाजोल 50 प्रतिशत डब्लू जी एजोक्सीस्ट्रोबीन 1 ग्राम/लीटर पानी में छिड़काव 12–15 दिन के अन्तर से करना चाहिये। **किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ किसान भाइयो को सलाह है कि धान की फसल में सफ़ेद धब्बेदार माहु के नियंत्रण के लिए ब्युपरोफेजीन 25 प्रतिशत एस.सी. 800 मि.ली./हेक्टेयर का प्रयोग करे। **किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ किसान भाइयो को परामर्श है कि यदि रागी में झुलसा रोग दिखाई दे तो कार्बेन्डाजिम (1 ग्राम/लीटर) या मेंकोजेब (2 ग्राम/लीटर) या ट्राइसाइक्लाज़ोल का 6–7 ग्राम प्रति स्प्रेयर छिड़काव करे। **लेकिन किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और**

	कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो। ❖ किसानों को सलाह दी जाती है कि वे कोदो के लिए नत्रजनःफास्फोरसःपोटाश (50:30:20 किग्रा), कुटकी के लिए नत्रजनःफास्फोरसःपोटाश (30:20:10 किग्रा), रागी के लिए नत्रजनःफास्फोरसःपोटाश (60:30:20 किग्रा) तथा सांवा के लिए नत्रजनःफास्फोरस (20:10 किग्रा) प्रति हेक्टेयर की दर से दें।
मक्का	❖ मक्के की फसल में खड़ा पानी ना रहने दे क्युकी मक्का खड़े पानी के प्रति अत्यधिक संवेदनशल है और जीवाणु रोगों को बढ़वा देता है। ❖ कीट भक्षक पक्षियों के बैठने के लिए मक्का की फसल में टी आकार के बांस 10 नग प्रति एकड़ लगाए। ❖ मक्का की फसल में आवश्यकतानुसार निंदाई–गुड़ाई एवं मिट्टी चढ़ावें एवं यूरिया की अनुसंशित मात्रा देवे। ❖ किसान भाइयों को सलाह दी जाती है कि मक्का में तना छेदक के नियंत्रण के लिए क्लोरेनट्रेनलीप्रोल 18.5 प्रतिशत एस.सी. 150 मि.ली. प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करें। **किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि मक्का की फसल में अंगमारी (ब्लाइट) रोग का प्रकोप होने पर यथाशीघ्र कार्बेन्डाजिम 1 ग्राम प्रति लीटर या हेक्साकोनाजोल 1 मि ली प्रति लीटर का छिड़काव 10–15 दिन के अन्तराल पर करे। **किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ मक्का की फसल में यदि सकरी एवं चौड़ी दोनों तरह के खरपतवार दिखाई दे तो ट्रायफामोन + एट्राजीन या मेसोट्रायोन + एट्राजीन का उपयोग बुवाई के 25–30 दिन पश्चात् करे। **लेकिन किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ यदि मक्का की फसलों में केवल चौड़ी पत्ती वाली खरपतवार हो तो बुवाई के 30–35 दिन बाद 2,4–डी का उपयोग करे। **लेकिन किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।**
गन्ना	❖ किसान भाइयो को सलाह है कि अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी का प्रबंध करे। ❖ किसानों को परामर्श है कि वे गन्ने की सिंचाई तने के विस्तार/वृहद विकास के चरण में करें।
फल एवं सब्जीवाली फसलें	❖ किसानों को सलाह दी जाती है की कंद वाली फसलों पर मिटटी की चढ़ाई की जाए तथा यूरिया का बचा हुआ भाग जल्द से जल्द दिया जाए। ❖ किसान भाईयों को सलाह है कि शिमला मिर्च की नर्सरी तैयार करें। ❖ किसानों को सलाह दी जाती है कि वे सब्जी की फसल वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त वर्षा जल की निकासी की व्यवस्था करें। ❖ किसानों को सलाह दी जाती है कि मिर्ची में लगने वाले माईट कीट नियंत्रण के लिए क्लोरफेनापायर 10 प्रतिशत एस.सी. /750–1000 ग्राम / हेक्टेयर कीटनाशक को 500 ली. पानी के साथ प्रति हे. छिड़काव करें। **लेकिन किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ किसान भाइयो को परामर्श दी जाती है कि मिर्च एवं बैगन परभक्षी पक्षियों के बैठने के लिए टी आकार की खुटी 10 नग प्रति एकड़ के हिसाब से लगाए। ❖ किसान भाइयो को सलाह है कि टमाटर, मिर्च, प्याज, एंव बैंगन में खरपतवार के नियंत्रण के लिए निराई–गुडाई करे। ❖ किसान भाइयो को परामर्श है कि ट्रैप फसल के रूप में गेंदा का फूल (अफ्रीकन मेरीगोल्ड) का उपयोग टमाटर के फल छेदक के प्रबंधन के लिए उपयोगी है। ❖ किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि मिर्च की रसाद कीट एवं सफ़ेद मक्खी के

	प्रबंधन के लिए डेल्टा स्टिकी ट्रैप 10 नग प्रति एकड़ लगावे। ❖ किसान भाइयों को परामर्श है कि मिर्च के रसाद कीट (थ्रिप्स) के नियंत्रण हेतू एसिटामिप्रीड 20 प्रतिशत एस.पी./50–100 ग्राम/हेक्टेयर कीटनाशक को 500–600 ली. पानी के साथ प्रति हे. छिड़काव करें। **लेकिन किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ किसान भाइयों को परामर्श है कि बैगन के तना एवं फल छेदक कीट के नियंत्रण हेतू इमामेक्टीन बेन्जोएट 5 प्रतिशत एस.जी./300 ग्राम कीटनाशक को 500 ली. पानी के साथ प्रति हे. छिड़काव करें। **लेकिन किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ केले में वाटर सकर्स की पहचान कर निकालने का कार्य करते रहें एवं जिन पौधों में फूल/फल आया हो तुरंत बांस लगाकर सहारा प्रदान करें। ❖ किसान भाइयो को परामर्श है कि टमाटर पर्ण कुंचन रोग से बचाने के लिए मेटासिस्टॉक्स या रोगोर नामक कीटनाशी की 1 लीटर या डेसिस की 200 मि. ली. मात्रा को 1000 लीटर पानी में घोल की प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। **लेकिन किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।** ❖ किसान भाइयो को सलाह दी जाती है कि बैगन में पर्ण चित्ती (लीफ ब्लाइट) से बचाने के लिए कवकनाशी जैसे मैंकोजेब 2.5 कि.ग्रा. या कॉपर ऑक्सीक्लोराइड 3 कि.ग्रा. का एक हज़ार लीटर पानी में घोल बनाकर प्रति हेक्टेयर की दर से छिड़काव करना चाहिए। **लेकिन किसान भाई ध्यान रखे कि वे रासायनिक दवाओं और कीटनाशकों का छिड़काव तभी करे जब कम से कम 4 घंटे वर्षा होने की संभावना न हो।**
पशुपालन एवं मुर्गीपालन	❖ मुर्गियों को कृमि रोग से बचाव हेतु हर तीन माह में कृमिनाशक दवा खिलावें। ❖ यदि पशु चारा कम खा रहा हो/हाजमा ठीक न हो तो हिमालय बतीसा नामक दवा 40–60 ग्राम गाय, बैल, भैस को एवं 10–15 ग्राम भेड़–बकरी को गुड़ आटा या दाने के साथ मिलाकर दिन में दो बार खिलायें। ❖ बारिश के मौसम में अत्यधिक हरा चारा खाने से पशुओं में अफारा रोग (पेट फूलना) हो जाता हैं। अत चराने ले जाने के पहले पशुओ को सूखा चारा अवश्य खिलायें। ❖ चार से आठ माह की बछिया को ब्रुफेलोसिस (संक्रामक गर्भपात) रोग से बचाव हेतु टीकाकरण कराएं। चार माह से अधिक उम्र की बकरियों को गोट प्लेट (PPR) रोग से बचाव हेतु टीकाकरण करवाये। ❖ पशुओं हेतु वर्षाजनित रोगों से बचाव के उपाय नहीं भूलें, अतः परजीवी व कृमि नाशक घोल या दवा देने का यही सही समय है। ❖ पशु व्याने के दो घण्टे के अंदर नवजात बछड़े व बछड़ियों को खीस (प्रथम–स्तन्य) अवश्य पिलाएं। ❖ पशु आवास के आस–पास, साफ–सफाई रखें एंव गडढों के भर दें ताकि गडढों में पानी न भरें। ❖ पशुओं को गीले एवं पानी भरे स्थानों पर न चरायें।

प्रयोजक–भारतीय मौसम विभाग (पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय), नई दिल्ली

नोडल अधिकारी
ग्रामीण कृषि मौसम सेवा

अधिष्ठाता
श.गु.कृ.महा.एवं अनु. केन्द्र, जगदलपुर